Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/18-20 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

वर्ष-३० अंक-१६ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो १६ - ३१ अगस्त २०२१ पृष्ठ ०८ मूल्य:१० रु.मात्र (रंगीन सहित)

मोदी मंत्रः सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

१५ अगस्त २०२३ तक ७५ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जाएंगी

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। लाल किले की प्राचीर से ७५वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने देश को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने नए नारे भी दिए। उन्होंने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास में अब सबका प्रयास का नारा दिया है। उन्होने कहा कि कहा कि सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास, इसी श्रद्धा के साथ हम सब जुटे हुए हैं। हर लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश आज से अपनी आजादी के ७५वें साल में प्रवेश कर रहा है और यहां से आजादी के १०० वर्षों तक का सफर भारत के सृजन का अमृतकाल है। सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबके प्रयास से इस लक्ष्य को हासिल करना है। राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि १५ अगस्त २०२३ तक न ७५ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जाएंगी। जो देश के विभिन्न हिस्सों को जोड़ेंगी। वर्तमान में भारतीय रेलवे द्वारा देश में दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें संचालित होती हैं। पहली वंदे भारत एक्सप्रेस वाराणसी और नई दिल्ली के बीच चलती है जबकि दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस कटरा और नई दिल्ली के बीच चलती है।

जानबूझकर की गई भूल नहीं की जाएगी बर्दाश्त -अश्विनी वैष्णव

रे.स.ब्यूरो/नई दिल्ली। भ्रष्ट कर्मचारियों के खिलाफ सख्त चेतावनी देते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेल मंत्रालय जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगा। दिनांक १४.०८.२०२१ को केंद्रीय मंत्री ने पहली बार महाप्रबंधकों व रेल मंडल प्रबंधकों के साथ चार घंटे चली ऑनलाइन बैठक में कहा कि अगर कोई भ्रष्टाचारी है तो उसे वह खुद जेल भेजेंगे और अगर कोई बेकसूर है तो उसका साथ देंगे। केंद्रीय रेल मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि अगले तीन साल में इस तरह से रेलवे को काम करना है कि पेंशनधारियों को पेंशन मिलता रहे, क्योंकि १८ लाख पेंशनरों को पेंशन देना भी रेलवे के लिए चुनौती है। यह चुनौती तभी सफल होगी जब रेलवे का आय बढ़ेगा और माल लदान समेत अन्य चीजों पर नजर रहेगी। 'राष्ट्र प्रथम', अंत्योदय, और 'सबका साथ, सबका विकास' के रथ को आगे बढ़ाने की सोच के साथ चलेगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे के लिए समरसता बेहद आवश्यक है। सभी तबके के समान विकास का ध्यान रखा जाएगा।

ओटीटी प्रणाली मालगाड़ी संचालन में क्रांतिकारी कदमः महाप्रबंधक/उमरे

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के कानपुर लोकोशेड द्वारा मालगाड़ी में एंड ऑफ ट्रेन टेलीमेट्री (ईओटीटी) प्रणाली के स्फल ट्रायल के साथ रेल परिचालन में तकनीक के नए युग का सूत्रपात हुआ। एंड ऑफ ट्रेन टेलीमेट्री (ईओटीटी) स्वचालित प्रणाली पर ब्रेक वैन के बिना ट्रेन के संचालन की एक अत्याधुनिक तकनीक है। यह भारतीय रेलवे की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसे फास्ट ट्रैक मोड पर रखा गया है। इसके तहत जब भी लोको पायलट द्वारा लोको कैब में आपातकालीन ब्रेक लगाया जाता है, तो अंतिम वाहन से भी आपातकालीन ब्रेक लग जाता है जिससे ट्रेन को नियंत्रित करने के लिए ब्रेकिंग दूरी और समय कम हो जाता है। इसके अलावाजब ट्रेन पार्टिंग या डिरेलमेंट की स्थिति में अंतिम डिब्बे का बीपी दबाव स्तर निर्दिष्ट सीमा के बाहर हो जाता है तब भी यह प्रणाली लोको पायलट को भी सचेत करेगी। दिनांक ०१.०८.२०२१ को जीएमसी यार्ड और टूंडला सेक्शन के बीच एक मालगाड़ी में उत्तर मध्य रेलवे द्वारा ईओटीटी का फील्ड ट्रायल किया गया। ट्रायल के दौरान मुख्य विद्युत लोकोमोटिव इंजीनियर (सीईएलई) उत्तर मध्य रेलवे पी.डी. मिश्रा मिश्रा मौजूद थे। इस विषय पर महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे प्रमोद कुमार ने कहा कि,ईओटीटी परीक्षण के उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। यह प्रौद्योगिकी आने वाले दिनों में मालगाड़ियों के संचालन में क्रांतिकारी बदलाव लाने जा रही है।

अपना कर्तव्य निभाना ही राष्ट्रधर्म - मुख्यमंत्री योगी

रे.स.ब्यूरो/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के ७५वें स्वाधीनता दिवस पर विधानभवन में आयोजित समारोह में झण्डारोहण किया। उन्होने समस्त प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने सभी अमर सेनानियों को कोटि-कोटि नमन करते हुए अपनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश की बाह्य व आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए रखने व भारत के नागरिकों को एक सुरक्षित माहौल प्रदान करने हेतु अपने प्राणों की आहुति देने वाले देश के वीर जवानों को मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। सीएम योगी ने विधानभवन से प्रदेशवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि देश की स्वाधीनता के 'अमृत' महोत्सव वर्ष का हम सब को साक्षी बनने का अवसर प्राप्त हुआ है। स्वाधीनता के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रवेश के साथ ही हम प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 'नए भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार होते हुए देख रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेश के ०६ पुलिस अधिकारी व कर्मियों को 'पुलिस मेडल फॉर गैलेंट्री' प्राप्त करने पर बधाई दी। वही स्वाधीनता दिवस समारोह पर प्रेसिडेंट पुलिस मेडल से ०४ पुलिस अधिकारी व कर्मी सम्मानित हुए। पुलिस पदक के लिए ७३ अधिकारी व कर्मी चयनित हुए हैं।

महाप्रबंधक पूर्व मध्य रेल ने किया विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

रे.स.ब्यू./सूत्र.हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने पटना-गया तथा गया-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। दिनांक ०५.०८.२०२१ को महाप्रबंधक ने पटना-गया और गया-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं.के मध्य रेलवे ट्रैक, रेल पुलों, समपार फाटक, स्टेशनों आदि का मुआयना किया। महाप्रबंधक ने संरक्षा से जुड़े पहलुओं का विशेष रूप से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रधान मुख्य इंजीनियर ब्रजेश कुमार, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार, पंडित दीन दयाल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजेश कुमार पांडेय एवं अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे।

गया-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं. के विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने बगहा बिशुनपुर स्टेशन पर वहां रेल अवसंरचना उन्नयन हेतु जारी निर्माण कार्य की प्रगति का गहन मुआयना किया। इसके बाद महाप्रबंधक पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल पहुंचे जहां मंडल मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंडल की उपलब्धियों एवं भविष्य की कार्ययोजनाओं एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं. -सोननगर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना की कार्य प्रगति से अवगत हुए। विदित हो कि डीएफसीसी कॉरिडोर से औद्योगिक उत्पादों का परिवहन तेज गति से होगा जिससे देश के उद्योगों को गति मिलेगी और रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे। अंत में महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं. से पटना तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया।

अब भुसावल से गोरखपुर तक चलेगी किसान एक्सप्रेस

रे.स.ब्यू./सूत्र। रेल मंत्रालय ने किसानों द्वारा पैदा की जाने वाली सब्जियों को मनचाहे शहर तक पहुंचाने के लिए एक साल पहले किसान एक्सप्रेस सेवा की शुरूआत की थी। इसी कड़ी में भुसावल से गोरखपुर तक किसान एक्सप्रेस चलेगी। वहीं गुरुवार दिनांक ०५.०८.२०२१ को पहली बार भुसावल से २३० टन प्याज लेकर किसान एक्सप्रेस की पहली रेक नकहा पहुंची। ऐसा पहली बार हुआ है कि सीमेंट और कोयले की जगह प्याज की ढुलाई जनरल कोच से हुई है। कोरोना के चलते अब भी कई पैसेंजर ट्रेनों के रेक खाली पड़े हैं। रेलवे ने ऐसे कोच को ढुलाई में इस्तेमाल करना शुरू किया है। शुरूआत के दिनों में गोरखपुर तक से सेवा नहीं थी लेकिन रेक उपलब्ध होने के साथ ही भुसावल से गोरखपुर तक यह सेवा शुरू कर दी गई।

बहाल हुई भारत-बांग्लादेश रेल संपर्क के माध्यम से मालगाड़ियों की आवाजाही शुरू

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच रेलवे संपर्क को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत हल्दीबाड़ी (भारत)-चिलाहाटी (बांग्लादेश) रेल लिंक को १७ दिसंबर, २०२० को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा यात्रियों एवं माल की आवाजाही के लिए फिर से खोल दिया गया था। भारतीय रेलवे और बांग्लादेश रेलवे के संयुक्त प्रयासों से भारत एवं बांग्लादेश के बीच बहाल हुए हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी रेल मार्ग के जरिये पहली अगस्त, २०२१ से मालगाड़ियों का नियमित संचालन उस वक्त शुरू हो गया जब भारतीय रेलवे ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (भारत) के दामदिम स्टेशन से पत्थरों से लदी पहली मालगाड़ी को बांग्लादेश के लिए रवाना किया। हल्दीबाड़ी रेलवे स्टेशन से अंतर्राष्ट्रीय सीमा की दूरी ४.५ किलोमीटर है। वहीं चिलाहाटी से जीरो प्वाइंट की दूरी करीब ७.५ किलोमीटर है। यह सेवा कोविड की महामारी के चलते शुरू नहीं हो पाई थी।

आनंद स्वरूप बने मंडल रेल प्रबंधक आगरा, किया कार्यभार ग्रहण

रे.स.ब्यूरो./संवा. उत्तर मध्य रेलवे आगरा रेल मंडल के नए मंडल रेल प्रबंधक के रूप में आनंद स्वरूप ने दिनांक १०.०८.२०२१ को पदभार ग्रहण कर लिया। वे भारतीय रेल मैकेनिकल इंजीनियरिंग सर्विस के अधिकारी हैं एवं उन्होंने आई.आई.टी. दिल्ली में M-Tech की शिक्षा हासिल की है। आनंद स्वरूप भारतीय रेल में कई प्रबंधकीय एवं कार्यकारी पदों पर कार्य कर चुके हैं तथा उन्हें रोलिंग स्टॉक के डिजाइन एवं संरक्षण, निर्माण एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेंट का वृहद अनुभव है।

वे पश्चिम रेलवे RDSO IRCON International, ICF चेन्नई एवं दक्षिण रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। वर्तमान में स्वरूप कैरिज एवं वैगन वर्कशॉप, चेन्नई में मुख्य वर्कशॉप महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। आनंद स्वरूप ने उत्कृष्ट रेल सेवा के लिए कई महत्वपूर्ण पुरस्कार हासिल किए हैं। मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली की स्थापना का कार्य उन्होंने सफलता के साथ पूरा किया, जिसे सर्वोत्तम निर्माण प्रोजेक्ट से नवाजा गया। RDSO, लखनऊ में पूर्ण वातानुकूलित डबल डेकर ट्रेन की डिजाइनिंग में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्वरूप विश्व के कई देशों में प्रोजेक्ट सलाहकार, ट्रेनिंग एवं पाठ्यक्रमों हेतु भ्रमण कर चुके हैं।

जिनमें अमेरिका में रोलिंग स्टॉक डिजाइन ट्रेनिंग एवं स्वीडन में डिजाइन सलाहकार सहित अन्य देशों में विभिन्न विशेषज्ञता के प्रशिक्षण शामिल है। यूके में आयोजित World Congress on Railway Research में वे भारत के प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं।

First Aid Management of Accident Patients विषय पर वेबिनार आयोजित

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज मोहित चंदा के अध्यक्षता में First Aid Management Of Accident Patients विषय पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया। दिनांक ०६.०८.२०२१ वेबिनार को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि प्रयागराज मंडल भारतीय रेल के सबसे व्यस्ततम मंडलों में से एक है। इस मंडल में लगभग २६००० में रेलकर्मी कार्य करते हैं और लगभग ७ करोड़ से अधिक रेलयात्रियों का परिवहन प्रतिवर्ष किया जाता है। उन्होने आगे कहा कि यदि किसी घायल व्यक्ति को फर्स्ट एड समय पर मिल जाता है तो उसे किसी भी प्रकार की हानि से बचाया जा सकता है। इसी क्रम में मुख्य अतिथि एवं प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्रा ने इस विषय पर अपने विचार रखे। इस दौरान मिश्रा ने बताया कि इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन एवं प्रयागराज ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के द्वारा एक पहल की गई है, इसका उद्देश्य किसी भी घायल व्यक्ति को आम जनता द्वारा बिना किसी सहायता का इन्तजार किये हुये उचित समय पर फर्स्ट एड दिया जा सके। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक /इंफ्रा अतुल गुप्ता मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य अजीत कुमार सिंह एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक परिचालन अमित मिश्रा सहित सभी विभागों के शाखा-धिकारी एवं वेबिनार के माध्यम से कानपुर, टूंडला आदि स्थानों से अधिकारी एवं कर्मचारी जुड़े थे।

कर्जन पुल पर बनेगी आर्ट गैलरी

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। पर्यटन स्थलों की सूची में कर्जन पुल शामिल होगा। बतादें कि गंगा नदी पर बना ११७ वर्ष पुराने कर्जन पुल के सुंदरीकरण की कवायद कुभ-२०१६ से पहले ही शुरू की गई थी लेकिन बात आगे नहीं बढ़ पाई। उस पर आर्ट गैलरी-म्यूजियम का निर्माण कराया जाएगा। पुल की क्षमता के आकलन और तकनीकी पहलुओं को लेकर मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) से रिपोर्ट मांगी गई है जिसका इंतजार है। वहीं पर्यटन विभाग की रेलवे प्रशासन से वार्ता हो चुकी है।

रेलवे सुरक्षा बल के महानिरीक्षक ने अधिकारियो व बल सदस्यों को किया सम्मानित

रे.स.ब्यू./सूत्र. बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक कार्यालय मे वार्षिक सम्मान समारोह दिनांक ०६.०८.२०२१ को आयोजित किया गया, जिसमे रेलवे सुरक्षा बल के महानिरीक्षक सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयक्त अमिय नंदन सिन्हा के द्वारा रेलवे सुरक्षा बल मुख्यालय एंव बिलासपुर मंडल के २४ अधिकारियो व बल सदस्यां को वर्ष २०२०-२१ मे उनके द्वारा किये गये सराहनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र एंव पारितोषिक देकर सम्मानित किया इस कार्यक्रम उप मुख्य सुरक्षा आयुक्त कुमार निशांत एव बिलासपुर मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त ऋशि कुमार शुक्ला भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार द्वारा जारी कोविड़ गाइड़ लाइन का पालन किया गया।

केंद्रीय अस्पताल/उमरे में जटिल सर्जरी का हुआ सफलतापूर्वक संचालन

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। रेलवे अस्पताल प्रयागराज के सर्जरी विभाग ने चिकित्सा निदेशक डा. रुपा कपिल के नेतृत्व मे एक जटिल एवं गंभीर आपरेशन किया गया। जन्म से ही रेयान अफजल पुत्र अफजल अहमद, स्टेशन मास्टर/प्रयागराज की दाहिने हाथ की कनिष्ठ अंगुली जुडी हुई थी जो पूर्णतः खराव हो चुकी थी तथा खुन की सप्लाई भी बगल वाली अंगुली से चालु थी। इस कारण से रेयान अफजल मांसिक रुप से काफी परेशान रहते थे एवं अपने को विकलांग महसूस करते थे। उन्होने रेलवे अस्पताल प्रयागराज में ऑपरेशन करवाने का निर्णय लिया। दिनांक १२ जुलाई २०२१ को डाक्टर संजय कुमार, वरि. सर्जन द्वारा इनका सफलता पूर्वक आपरेशन किया गया। इस आपरेशन के दौरान डा.मो. उसैद,डा. आलोक कुमार यादव, मेट्रन रुथ सिंह एवं नर्सिग अधिक्षक मंजू देवी सोनकर का योगदान रहा।

जर्मनी के बाद अब भारत में भी हाइड्रोजन से चलेगी ट्रेन

रे.स.ब्यू./सूत्र.नई दिल्ली। रेलवे ने हरित परिवहन व्यवस्था के क्षेत्र में बड़ी कामयाबी हासिल की है। जिसके बाद अब ट्रैक पर सीएनजी ही नहीं, हाइड्रोजन ईंधन से भी ट्रेनें चलेंगी। बतादें कि अभी तक जर्मनी व पोलैंड में ही इस तकनीक से ट्रेन चलती है। वहीं अब जल्द ही भारत में इसकी शुरुआत होगी। रेलवे जल्द ही इस तकनीक पर आधारित ट्रेन चलाने के लिए बोलियां मंगाएगा। शुरुआत में २ डेमू रैक को हाइड्रो इंजन में बदला जाएगा। बाद में २ हाइब्रिड नैरो गेज इंजन को हाइड्रोजन फ्यूल सेल पावर मूवमेंट आधारित सिस्टम में बदलने की योजना है।

भारत में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ऐसी बैटरी १० डिब्बों वाली डेमू ट्रेन में लगा जाएगी। इस तरह की बैटरी १६०० हार्स पॉवर की क्षमता के साथ ट्रेन को खींचेगी। वहीं इस तकनीक से एक इंजन से रेलवे को सालाना करीब ढाई करोड़ रुपये की बचत भी होगी। साथ ही प्रदूषण की समस्या नहीं होगी।

फर्जी दस्तखत के मामले में दो सीआईटी को मिली चार्जशीट

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। फर्जी दस्तखत के जरिये तमाम टीटीई के घर बैठे वेतन-भत्ता लेने के मामले में जांच में तेजी आ गई है। इस कड़ी में सीआईटी रोस्टर और सीआईटी लाइन को चार्जशीट दी गई है। बतादें कि पिछले दिनों पीएमओ और रेल मंत्रालय को भेज गए एक शिकायती पत्र में कहा गया था कि जंक्शन पर रोस्टर पर फर्जी हस्ताक्षर के जरिये सौ से अधिक टीटीई घर बैठे वेतन लेते रहे हैं। वहीं इन दोनों ही सीआईटी को रेलवे ने अपना पक्ष रखने का भी मौका दिया है। अगर जवाब संतोशजनक नहीं रहा तो दोनों के खिलाफ रेलवे द्वारा कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। मंडल के पीआरओ अमित सिंह ने इसकी पुष्टि की है। उन्होने कहा कि इस यह विभागीय प्रक्रिया है और अभी पूरे मामले की जांच चल रही है।

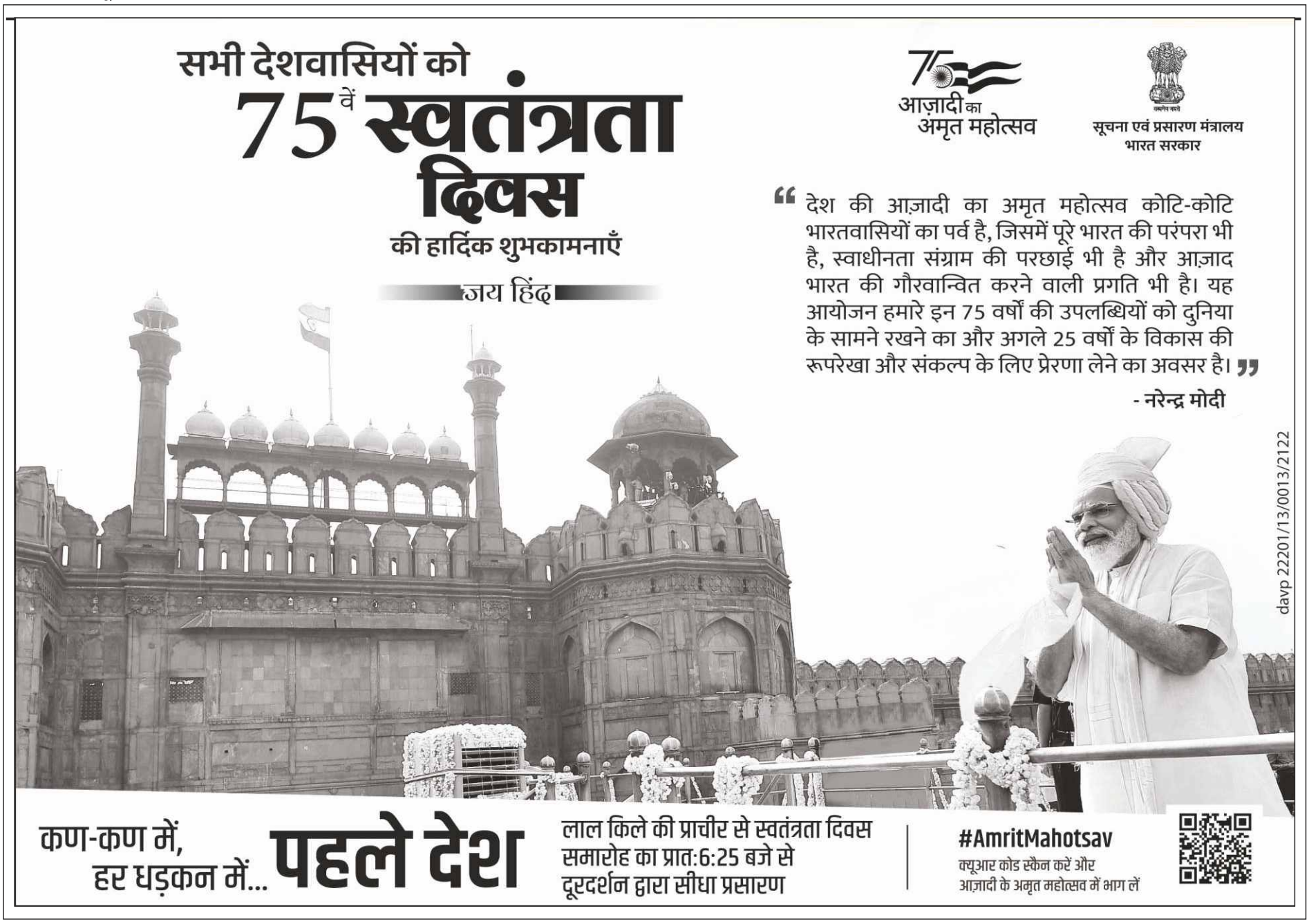

सम्पादकीय

कोविड की वापसी ?

कोविड-१६ वायरस चीन के जिस वुहान शहर से पूरी दुनिया में फैला, वहां अब डेल्टा वेरिएंट के मामलों का मिलना बताता है कि इस महामारी को लेकर किस स्तर की सावधानी बरतने और बेहतर चिकित्सा तैयारियों की जरूरत है।

खबर है कि चीन के कई प्रदेशों में डेल्टा वेरिएंट मिले हैं, जिसके बाद हुन्नान प्रांत के एक शहर को तीन दिनों के लिए सख्त लॉकडाउन लगाना पड़ा। बात साल २०१६ की करें तो मध्य में ही चीन में कोविड-१६ का पहला मामला सामने आया था, लेकिन महीनों तक उसने पर्दे के पीछे रखा जो आज तक कर रहा है, और इंसानी दुनिया उसकी कीमत चुका रही है। वहीं कोरोना से पिछले दो साल में कई देशों की माली हालत दयनीय हो चुकी है।

ऐसे में, बार-बार कोरोना की लहरें आती रहीं, तो उनके लिए दोबारा खड़ा हो पाना मुश्किल होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अलावा तमाम महामारी विज्ञानी आगाह करते आ रहे हैं कि इस महारोग पर पूर्ण नियंत्रण पाने में अभी कई वर्ष लगेंगे, इसलिए दुनिया को कुछ सावधानियों के साथ ही आगे बढ़ना होगा।

वहीं दुनिया के कई सारे मुल्कों को अब तक वैक्सीन की एक खुराक भी नहीं मिल सकी है। ऐसे में भारत जैसे देश को खास सतर्कता बरतनी होगी, क्योंकि विशाल आबादी और अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं पहले से इसकी बड़ी चुनौतियां हैं।

ऐसे में, अब जब स्कूल-कॉलेज खुल रहे हैं और तमाम कारोबारी संस्थान अपना काम करना शुरू कर चुके हैं, तब विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

इसलिए संकीर्ण सियासत के बजाय यह समय कोविड-१६ महामारी को लेकर संवेदनशील नजरिया अपनाने का है। वुहान मे आए नए मामले इसका उदाहरण हैं।

एसजीपीजीआई में हुआ रोबोटिक तकनीक से किडनी ट्रांसप्लांट

रे.स.ब्यू./सूत्र.लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रोबोटिक के माध्यम से किडनी ट्रांसप्लांट शुरू हो गई है। एसजीपीजीआई की टीम ने इसकी शुरुआत की। नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. नारायण प्रसाद की ओपीडी में वर्ष २०१६ में महिला आई थी उनकी जांच के बाद पता चला कि उसे किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत है जो तत्काल संभव नहीं था। ऐसे में मरीज को अप्रैल २०१६ से हीमोडायलिसिस के सहारे रखा गया। जिसके बाद मरीज की ६१ वर्ष मां किडनी डोनेशन के लिए आगे आई। सभी तरह की जांच कराने के बाद मरीज और डोनर की किडनी की मैचिंग सही पाई गई। मरीज की स्थिति गंभीर थी, ऐसे में छह अगस्त को रोबोटिक तकनीक से ट्रांसप्लांट किया गया। जिसके बाद प्रो. नारायण प्रसाद ने बताया कि ट्रांसप्लांट पूरी तरह से सफल रहा है। मरीज और डोनर दोनों की हालत में सुधार है।

लेखकों से

राष्ट्रीय, सामाजिक, फिल्म, व्यंग्य आदि विषयों पर अ. प्रकाशित लेख प्रकाशन हेतु आमांत्रित है। अपने हस्तलिखित लेख कागज की एक ओर साफ अक्षरों में भेजें।

सभी जेड.आर.यू.सी.सी./ डी.आर.यू.सी.सी.सदस्य

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों/सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

पाठकों से

अगला संयुक्तअंक राजभाषा विशेषांक होगा ।

यूपी में ५० फीसदी क्षमता के साथ १६ अगस्त से खुलेंगे स्कूल

रे.स.ब्यू./सूत्र.लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विद्यालयों में १६ अगस्त से आधी क्षमता के साथ कक्षाओं के संचालन शुरू किया जाएगा।

सोमवार दिनांक ०२.०८.२०२१ को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोक भवन में आयोजित टीम ६ की बैठक में यह निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने वर्तमान में कोरोना संक्रमण नियंत्रित होने के मद्देनजर सभी शिक्षण संस्थानों में नवीन सत्र २०२१-२२ शुरू करने की तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्कूलों में स्वाधीनता दिवस के दिन 'स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के आयोजित करने और १६ अगस्त से आधी क्षमता के साथ पठन-पाठन प्रारंभ शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया उत्तर मध्य रेलवे में ७५ वां स्वतंत्रता दिवस

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे प्रधान कार्यालय प्रयागराज में राष्ट् का ७५ वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लापस के साथ मनाया गया। दिनांक १५ अगस्त् २०२१ को कार्यक्रम का शुभारम्भ महाप्रबंधक प्रमोद कुमार द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक ने रेलवे सुरक्षा बल, भारत स्कॉउट एवं गाइड तथा सेंट जॉन एम्बूवलेन्स ब्रिगेड की परेड का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने उल्लेखनीय कार्य करने वाले रेल कर्मियों को पुरस्कत भी किया। इसके उपरांत हुए रंगारंग सास्कृतिक कार्यक्रम में, देश भक्ति मेडले समूह गीत, पूर्णिमा के निर्देशन में समूह नृत्य, रक्षा श्रीवास्तव का एकल गायन, चंचल गुप्ता का भरतनाट्यम आदि की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मनमोह लिया। स्वतंत्रता दिवस संदेश में महाप्रबंधक ने उत्तर मध्य रेलवे के सभी कर्मचारियों,जवानों, पर्यवेक्षकों, अधिकारियेां एवं उनके परिजनों को गौरवशाली राष्ट्र के ७५ वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी, अपने उदबोधन मे महाप्रबंधक ने कहा कि "अपने गौरवशाली राष्ट्र के ७५ वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मैं पूरे उत्तर मध्य रेलवे परिवार को अपनी हार्दिक बधाइ देता हूँ। आज ही के ऐतिहासिक दिन, हमारे राष्ट्र को विदेशी शासन से चिरप्रतीक्षित स्वतंत्रता हासिल हुई थी और एक ओजस्वी राष्ट्र के रूप में हमने अपना गौरव पुनः प्राप्त किया था। भारतीय रेल हमारे देश की मुख्य परिवहन प्रणाली है। इसके एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में उत्तर मध्य रेलवे अपना अहम योगदान दे रही है।

क्यूएएस एप से रेलकर्मियों को मिलेंगे क्वार्टर

रे.स.ब्यू./सूत्र। अब रेल कर्मियों को आनलाइन क्वार्टर आवंटित किए जाएंगे। इसके लिए एप विकसित किया है। यह आवेदन की पुरानी व मैनुअल प्रक्रिया का स्थान लेगा और क्वार्टर आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के साथ सुधार किया जा रहा है। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में रेलकर्मियों को पारदर्शी ढंग से क्वार्टर आवंटन सुनिश्चित करने के लिए एनसीआर-क्यूएएस एप लांच किया गया है।

झांसी में फिट इण्डिया फ्रीडम रन २.० आयोजित

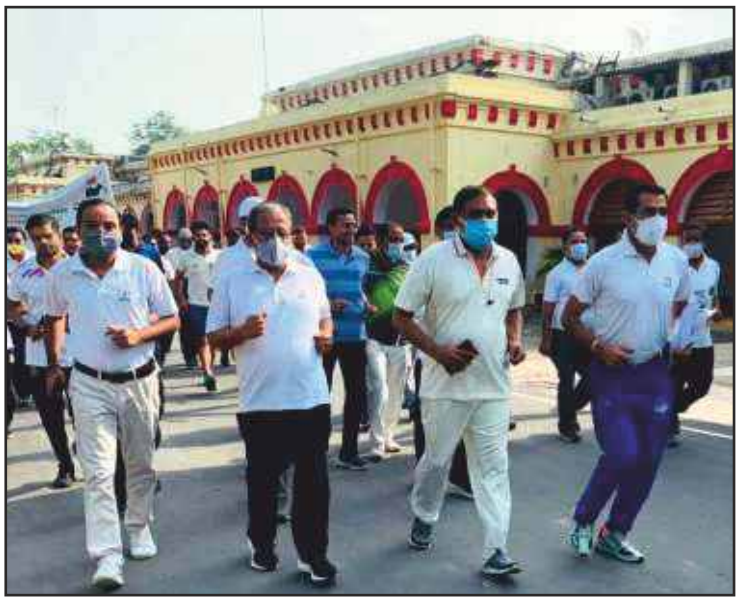

रे.स.ब्यू./सूत्र.झांसी। आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर व राज्य मंत्री खेलकूद निसिथ प्रमानिक के नेतृत्व में भारत की स्वतंत्रता के पूर्ण होने जा रहे ७५ वर्ष पर फिट इंडिया फ्रीडम रन २.० का शुभारंभ किया गया। आयोजन की शुरुवात वर्चुअल मीटिंग के द्वारा पूरे देश से दस बड़ी व महत्वपूर्ण संस्थाओं को चिन्हित कर किया गया। भारतीय रेलवे की और से महारानी लक्ष्मी बाई एवं हॉकी के जादूगर दद्दा ध्यानचंद की नगरी झांसी को एक महत्वपूर्ण कड़ी के तौर पर चुना गया। इसी कड़ी में दिनांक:१३.०८.२१ को झांसी से इस फिट इंडिया फ्रीडम रन २.० मुहिम में जुड़ने हेतु मण्डल रेल प्रबंधक आशुतोष, अपर मण्डल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) अमित सेंगर, अपर मण्डल रेल प्रबंधक (ऑपरेशन) दिनेश वर्मा सहित अन्य सभी अधिकारीगण, खिलाड़ी तथा कर्मचारियों ने बढ-चढ़ का हिस्सा लिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में मनाया गया ७५वां स्वतंत्रता दिवस

रे.स.ब्यू./सूत्र.बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्यालय सहित सभी मंडलों पर ७वें स्वतंत्रता दिवस पूरी गरिमा के अनुसार दिनांक १५ अगस्त २०२१ को मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यक्रम मुख्यालय परिसर, बिलासपुर में आलोक कुमार, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि आलोक कुमार, महाप्रबंधक द्वारा मुख्य सुरक्षा आयुक्त अभिय नन्दन सिन्हा की अगुवाई में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। तद ्उपरांत उन्होंने रेल सुरक्षा बल के जवानों, सिविल डिफेन्स एवं सेन्टजांस एम्बुलेंस के द्वारा तैयार किये गये आकर्षक परेड का निरीक्षण किया। अन्त में उन्होनें रेल कर्मचारियों, उनके परिवार एवं उपस्थित बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमापूर्वक सभी मंडलो, फील्ड कार्यालयो एवं वर्कशापों में मनाया गया।

"दूध दुरंतो" ने की १० करोड़ लीटर दूध की आपूर्ति

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। "दूध दुरंतो" विशेष ट्रेनों के माध्यम से आंध्र प्रदेश के रेनीगुंटा से राष्ट्रीय राजधानी के लिए दूध की आपूर्ति १० करोड़ लीटर के आंकड़े को पार कर गई है। २६ मार्च, २०२० को शुरुआत के बाद से, इन विशेष ट्रेनों का संचालन दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा निर्बाध रूप से किया जा रहा है और अभी तक ४४३ फेरों के माध्यम से दूध के २,५०२ टैंकरों की आपूर्ति की गई है। रेनीगुंटा से नई दिल्ली के लिए रेल के द्वारा दूध की आपूर्ति काफी महत्वपूर्ण है और देश की बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए अहम है। कोविड-१६ से पहले, नई दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के लोगों की दूध की जरूरतों को पूरा करने के लिए साप्ताहिक सुपरफास्ट ट्रेनों से दूध के टैंकर जोड़े जा रहे थे। जब देश भर में लॉकडाउन लागू किया गया था, तो इस उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे ने विशेष रूप से दूध के टैंकरों के लिए "दूध दुरंतो" विशेष ट्रेनों के संचालन की अनूठी पहल की थी। अभी तक इन विशेष ट्रेनों ने ४४३ फेरों में दूध के २,५०२ टैंकरों से १० करोड़ लीटर से ज्यादा दूध की आपूर्ति की है।

आशुतोष ने ग्रहण किया मंडल रेल प्रबंधक, झांसी का कार्यभार

रे.स.ब्यूरो./संवा। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी आशुतोष ने मंडल रेल प्रबंधक, झांसी का पदभार दिनांक १०.०८.२०२१, को ग्रहण कर लिया। आशुतोष ने प्रयागराज में मुख्य अभियंता (निर्माण) एवं प्रमुख मुख्य अभियंता, रेलवे विद्युतीकरण के पदों पर कार्य किया है। आशुतोष आईआईटी/ कानपुर के पूर्व छात्र हैं, जहां से उन्होंने १६८६ में बीटेक किया था। आशुतोश ने आगरा मंडल में वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वय के रूप में और पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक के रूप में काम किया है।आशुतोष झाँसी मंडल से भली-भांति परिचित हैं। इन्होंने यहां २००६ से २०११ तक उप मुख्य अभियंता/ब्रिज के रूप में काम किया है। इस अवधि के दौरान उन्होंने मदरहा, भिंड, चित्रकूट आदि स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण कराया। इसके अतिरिक्त रायरू में यार्ड रीमॉडलिंग और गुड्स शेड, ग्वालियर, दतिया, सिपरी आदि में रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), चिरूला स्टेशन का नवनिर्माण और कई रोड ओवर ब्रिज (आरयूबी) के निर्माण का भी श्रेय उनके नाम पर है। आशुतोष के वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वय आगरा के कार्यकाल के दौरान आगरा में पलवल-भूतेश्वर तीसरी लाइन, आगरा में स्ट्रेची पुल की रिगर्डरिंग, आगरा कैंट यार्ड रीमॉडलिंग, टूंडला फ्लाई ओवर और सड़क पुलों का निर्माण किया गया। इन्हें २०१७ में रेल मंत्री राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। प्रमोद कुमार ने आशुतोष को पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

उत्तर मध्य रेलवे में कवि सम्मेलन आयोजित

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, पूनम कुमार कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। इस कवि सम्मेलन में विभिन्न अंचलों से पधारे प्रख्यात कवियों ने अपनी रचनाएं सुनाकर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि समाज एवं राष्ट्र की चेतना को जागृत करने और राष्ट्रीय आदर्शों एवं मानवीय मूल्यों के संरक्षण में हमें और अधिक संवेदनशील बनाने में सरस्वती के उपासक लेखकों, कवियों का अद्वितीय योगदान रहा है। कवि सम्मेमलन का संचालन महेन्द्र नाथ ओझा, प्रधान मुख्यय वाणिज्य प्रबंधक द्वारा किया गया। कवि सम्मेरलन में प्रयागराज के प्रख्यात कवि एवं नवगीतकार यश मालवीय, हास्य एवं व्यंग्य के लोकप्रिय कवि श्लेष गौतम, राजकुमार अंजुम तथा झांसी की कवयित्री प्रीता बाजपेई अनिल अरोड़ा, उत्तर मध्य रेलवे के वरिष्ठ कवि शैलेन्द् कपिल द्वारा काव्यं पाठ किया गया। इस अवसर पर मुख्यर राजभाषा अधिकारी अजय माथुर सहित मुख्यालय के सभी प्रधान विभागाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी तथा उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

रेल यात्रियों को मदद पहुंचा रहा है रेल मदद एप

रे.स.ब्यूरो। रेलवे का रेल मदद एप का दायरा लगातार बढ़ता रहा है। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल की ही बात करें तो इस वित्तीय वर्ष के शुरूआत चार माह में रेलवे द्वारा मदद एप के माध्यम से तकरीबन ६२०० शिकायतों का निवारण किया गया। यह सब संभव हुआ है रेलवे के 'रेल मदद एप से। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि इस एप के ही जरिये एक महिला ने प्रसव पीड़ा की बात बताई थी। समय रहते ट्रेन में महिला को चिकित्सीय मदद उपलब्ध करवाई गई। इसके अलावा बुजुर्ग यात्रियों को ऊपरी बर्थ की जगह नीचे वाली बर्थ भी रेल मदद के माध्यम से उपलब्ध करवाई गई।

आर.डी.एस.ओ. में उत्साह के साथ मना ७५ वाँ स्वतंत्रता दिवस

रे.स.ब्यू./सूत्र.लखनऊ। आरडीएसओ में ७५ वाँ स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। आरडीएसओ स्टेडियम में अधिकारियों और कर्मचारियों के सीमित संख्या एवं कोविड -१६ के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए आयोजित समारोह में महानिदेशक/ आरडीएसओ संजीव भुटानी, ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और आरपीएफ टुकड़ी की सलामी ली। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए संजीव भुटानी, महानिदेशक/ आरडीएसओ ने कोविड योद्धाओं-चिकित्सा कर्मचारियों और स्वच्छता कर्मचारियों को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए धन्यवाद देते हुए आरडीएसओ की प्रमुख उपलब्धियों और विकासोन्मुख कार्यों पर भी प्रकाश डाला जिनमे मुख्य रूप से भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के 'एक राष्ट्र एक मानक मिशन के अंतर्गत आरडीएसओ को मानक विकास संगठन (एसडीओ) के रूप में मान्यता प्रदान किया जाना, भारत सरकार की "आत्मनिर्भर भारत" एवं ''मेक इन इंडिया" पहलों को कार्यान्वित करने हेतु आरडीएसओ द्वारा स्वदेशी प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने हेतु आईआईटी/सीआरआर के साथ १४ परियोजनाओं पर गहन तकनीकी विचार विमर्श शामिल हैं।

ऐसा है लाल किला

हम १५ अगस्त और २६ जनवरी को लाल किले पर तिरंगा झंडा लहराते हैं। इसकी प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर भारत के प्रधानमंत्री देश को संदेश देते हैं। मुगल शासक शाहजहां के आदेशानुसार दिल्ली में यमुना नदी के किनारे एक महल तामीर कराने के लिए शिलान्यास किया गया जो लाल किले के नाम से जाना गया। इसकी शुरूआत इज्जत खां ने की पर इज्जत खां सिंध का प्रशासक बनकर चला गया और इसके निर्माण की जिममेदारी अली बर्दी खां ने ली, जिसने २ वर्ष एक महीना और १४ दिनों में किले की चारों ओर की दीवार उठवाई जो १२ गज ऊंची है। अली खां के बंगाल के शासक बनने के बाद किले कानिर्माण कार्य मकर्रम खां को सौंपा गया, जिसने ६ वर्ष में किले का कार्य पूरा कियां इस कार्य में एक करोड़ रूपये खर्च हुए। शाहजहां ने अकर इसे आबाद किया। इसके निर्माण में आरंभ में अंत तक लाल पत्थरों का प्रयोग किया गया इसलिए इसे लाल किला कहते हैं। इस पर तीन ओर से गहरे किस्म के हरे-भरे पेड़ और फूलों की सजावट थी। वह डेढ़ किलोमीटर के क्षेत्र में बना है। इसकी लम्बाई ३००० फुट दरिया की तरफ तथा चौड़ाई १८०० फुट है। दरिया की ओर की दीवारों की ऊंचाई ६० फुट है। लाल किले का बड़ा फाटक लाहौरी गेट कहलाता है। इसके सामने खन्दकके ऊपर पुल था वैसा ही दिल्ली गेट के सामने भी थ। लाहौरी दरवाजा तीन मंजिला है। इसके मुंडेर पर ३.३ फुट के कंगूरे हैं, जो लाल पत्थर के हैं। लाहौरी गेट के सामने चांदनी चौक तक कोई ओट नहीं थी, इसलिए आलमगीर ने उसे पेशबुर्ज बनवाया जिसने घूंघट का काम किया।

दिल्ली दरवाजा : लाल किले केदक्षिण की अरे दिल्ली दरवाजा है। इस दरवाजे के सामने मेहराब के दोनों ओर पत्थर के दो हथी खेड़े किये गये थे, इसलिए यह दरवाजा हथिय पोल भी कहलाता है। आलमगीर ने इसे तुड़वा दिया था। एक चौक बना दिया था, क्योंकि इसकी कोई ओट नहीं थी। शाहजहां ने खुश होकर आलमगीर को लिखा था कि तुमने किले में घूंघट निकालकर इसे दुलहन बना दिया।

दीवानेआम : नौबत खाने से आगे बढ़कर दीवाने आम है जो ६७ गज लम्बा, २४ गज चौड़ा

था। इसके छत की ऊंचाई ३० फुट हैं यह भी लाल पत्थरों से बनाई गई थी। इसमें साने की नाकशी भी थी। इसके पीछे ७ गज लम्बा, ढाई गज चौड़ा ताकथा जिसमें कीमती पत्थर लगे थें ताकके पीछे दरवाजे थे, जिसमें शाहजहां आकर तख्त पर बैठता था। इसके दोनों ओर दो झसेखे हैं जिनमें बेगमात दरबार का नजारा देखा करती थी।

रंग महल : शाहजहां के समय किले के अंदर रंग महल सबसे अहम जनाना हिस्सा था जो १०० गज लंबा ३६ गज चौड़ा थ। एक चबूतरा, २ तहखाने, ५ दालान। बीच से दर के सामने संगमरमर का बड़ा हौज था उसमें पानी नीचे आता थाऔर वहां से नहर में जाता था। पश्चिम की तरफ यमुना नदी थी। तमामदरों दीवार पर सोना लिपा हुआ था और सोने के काम से गुलबूटें बनायी गयी थीं। इस महल की छत चांदी की थी। अब यह छत लकड़ी की है।

खास महल : ख्वाह गाह की पूर्वी दीवार से मिला हुआ एक गुम्बददार बरामदा है, इस गुम्बद पर तांबे का खोल चढ़ा हुआ थ जिस पर सोने कापानी था। इसके कोने दरिया की ओर थे जहां से बादशाह अपनी प्रजा को दर्शन देता था।

दीवाने खास : दीवाने आम के आगे दीवाने खासथा, यह शाम महल भी कहलाता थं दीवाने खास में बादशाह खास दरबार करता था। दीवाने खास ३४ गुणा २६ गज है, इसमें ३२ खम्बों की दोहरी लाईन है। इसमें १२ फुट लंबी नहर है। वहां एक संगमरमर का चबूतरा है, जिस पर तख्ते ताऊस रखा जाता था। यहांपर मेहराब पर फारसी का मशहूरशेर खुशन बीस नवीसक लिखा हुआ है।

हमाम : हमाम श्रंगार का खास हिस्सा थ जहां लोग खुले में नहाना पसंद करते थे। गुसलखाने का रिवाज मुसलमान बादशाहों से शुरू हुआ। दिल्ली के लाल किले के हमाम के तीन भाग थे, एक भाग में कपड़े उतारे जाते या गुस्ल के बाद कपड़े पहने जाते थे, दूसरा दर्जा सर्द खाना कहलाता था। इसमें फब्बारे लगे थे। गर्म पानी भी आता था।

तीसरा दर्जा गर्म खाना कहलाता था। इसमें लकडियों से पानी गर्म किया जाता था। हमाम के सभी तरफ नहरें थीं और फव्वारे छूटते थे।

बाग हयात बख्श : दिल्ली के लाल किले के बाग का नाम हयात बख्श था। इसमें हर तरफ नहर से भरपूर पानी आता, इसलिए पेड़ों और फूलों से हरा-भरा रहता। इसके बीच एक होज ६० गुण ६० फुट का था। सूरज की किरणों से यह निगार खाना चमक जाता था, इस बाग की २५० गज लम्बाई, १२५ गज चौड़ाई है।

रेलवे महिला कल्याण केंद्रीय संगठन ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। रेलवे महिला कल्याण केंद्रीय संगठन (आरडब्ल्यूडब्ल्यूसीओ) ने १५ अगस्त, २०२१ को अपने लिटिल किंगडम नर्सरी स्कूल, सरोजिनी नगर में ७५वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। आरडब्ल्यूडब्ल्यूसीओ की अध्यक्ष अल्पना पंत शर्मा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं, जिन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद स्कूल परिसर में पौधारोपण अभियान भी चलाया गया। बाद में, उन्होंने दस्तक केंद्र, मसाला केंद्र और सिलाई केंद्र जैसे विभिन्न केंद्रों का भी दौरा किया, जो आरडब्ल्यूडब्ल्यूसीओ द्वारा संचालित किये जा रहे हैं। आरडब्ल्यूडब्ल्यूसीओ सभी भारतीय रेलवे में फैले महिला कल्याण संगठनों की श्रृंखला का शीर्ष निकाय है, जो विभिन्न आवश्यकता-आधारित सामाजिक-कल्याण गतिविधियों के माध्यम से रेलवे कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों के कल्याण के कार्य में लगा हुआ है। संगठन ने १९६२ में भारत-चीन युद्ध के बाद अपनी गतिविधियां शुरू कीं। जबकि संगठन की प्राथमिक चिंता रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों का कल्याण है, यह हमेशा समाज और राष्ट्र के आह्वान पर उठी है, चाहे वह महामारी हो, पर्यावरण जागरूकता हो, परिवार कल्याण अभियान हो, सीमाओं पर गड़बड़ी हो या प्राकृतिक आपदाएं। यह आज देश में अग्रणी स्वैच्छिक संगठनों में से एक है।

मध्य रेल ने चालू वर्ष में सर्वाधिक समपार हटाए

साभार : मध्य रेल ने अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए २०२०-२१ में ७८ मानवयुक्त समपारों की जगह सड़क ऊपरी पुलों/सड़क निचले पुलों का प्रावधान किया है। स्वर्णिम चतुर्भुज और इसके विकर्ण मार्गो में मध्य रेल के सभी २७० समपारों को २०२३-२४ तक समाप्त करने की योजना है। मध्य रेल के ब्रॉड गेज लाइन पर कोई मानव रहित समपारों नहीं है। इन समपारों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विभिन्न सुरक्षा उपाय भी किए गए हैं। मध्य रेल द्वारा सोशल मीडिया, सार्वजनिक जन उद्घोषणा प्रणाली आदि से भी लोगों को सतर्क रहने, सुरक्षित रहने और लेवल क्रॉसिंग का उपयोग करते समय जिम्मेदार रहने का आह्वान किया गया।

१५ अगस्त शुभ घड़ी हिन्द की

१५ अगस्त शुभ घड़ी हिन्द की। राष्ट्र पर्व कहलाता है।
अमर शहीदों की कुर्बानी। दुनिया को याद दिलाता है।
देश प्रेम के दीप जलाकार। ये अजब राह दिखाता है।
१५ अगस्त शुभ घड़ी हिन्द की। राष्ट्र पर्व कहलाता है।
तीन रंग की ध्वजा हमारी। इन्द्र धनुष बन जाता है।
हरी भरी पृथ्वी होमेरी।मन में भाव जगाता है।
केसरिया रंग हृदय विन्द को। झूम-झूम कर गाता है।
स्वेत रंग मानव दर्पण को। शान्त भाव सिखाता है।
१५ अगस्त शुभ घड़ी हिन्द की। राष्ट्र पर्व कहलाता है।
राष्ट्रपति के कर कमलों से। लहर-लहर लहराता है।
१५ अगस्त शुभ घड़ी हिन्द की। राष्ट्र पर्व कहलाता है।
जय हिन्द कादीप जलाकर। जगदीश यह गाता है।
वतन रहे खुशहाल हमारा। ईश्वर से दुआ मनाता है।
१५ अगस्त शुभ घड़ी हिन्द की। राष्ट्र पर्व कहलाता हे।
जागो-जागो हिन्द वासियों। सरहद पर दुश्मन चिल्लाता है।
सावधान अब करो एकता। वरना फिर पछतावा है।

-बाबा जगदीश नन्द योगाचार्य

बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूल भी बनेंगे मॉडल

रे.स.ब्यू./सूत्र। बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में जल संरक्षण के लिए विशेष प्रयास शुरू हो चुके हैं। विद्यार्थियों को आनलाइन कक्षाओं में पानी बचाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है तो रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने की तैयारी है। बेसिक शिक्षाधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि सोरांव विकास खंड के आठ स्कूलों में वारिश के पानी को बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। यहां रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाया जा रहा है। इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग से किसी भी तरह का बजट नहीं लिया जा रहा है। एक निजी बैंक ने पहल की और अपने सीएसआर फंड से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लग रहा है।

भारतीय रेल की १,१५,००० करोड़ रुपये से अधिक की १२६ परियोजनाएं तैयार

रे.स.ब्यू./सूत्र। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मिशन मोड में भारतीय रेल अगले कुछ वर्षो में १,१५,००० करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ५८ अति महत्त्वपूर्ण और ६८ महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं को सौंपने के लिए तैयार है। कोविड को चुनौतियों के बावजूद भारतीय रेल पटरियों की क्षमता बढ़ाने के लिए अत्यावश्यक परियोजनाओं को पूरा करने के लिए तेजी से काम कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रेल नेटवर्क का अधिकांश यातायात गोल्डन चतुर्भुज, उच्च घनत्व नेटवर्क मार्गो और अत्यधिक उपयोग किए गए भारतीय रेल नेटवर्क मार्गो पर चलता है। उच्च घनत्व और अत्यधिक उपयोग किए जाने वाले नेटवर्क मार्ग में भारतीय रेल नेटवर्क की मार्ग लंबाई ५१ प्रतिशत है, लेकिन इसमें ६६ प्रतिशत यातायात है। यातायात घनत्व, ले जाई जाने वाली सामग्री की प्रकार, रणनीतिक दृष्टि से मार्ग के महत्त्व के आधार पर तेजी से प्रगति कर रही परियोजनाओं (व्यय पहले ही ६०% से अधिक) सहित तत्काल विस्तार के लिए आवश्यक परियोजनाओं को अति महत्त्वपूर्ण श्रेणी (५८ परियोजनाएं) में रखा गया है। जो परियोजनाएं अगले चरण में पूरी होनी है, उन्हें महत्त्वपूर्ण परियोजनाएं (६८ परियोजनाएं) माना गया है। ये सभी सिविल परियोजनाएं (विद्युतीकरण तथा सिग्नलिंग कार्य से संबंधित) हैं। केंद्रित रूप से वित्त पोषण तथा निरंतर निगरानी से इन परियोजनाओं को जल्द पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है ताकि निवेश का लाभ उठाया जा सके। पूरी होने पर यह परियोजनाएं मोबिलिटी, सुरक्षा में सुधार लाएंगी और इन व्यस्त मार्गो पर सवारी और मालगाड़ी चलाने की अतिरिक्त क्षमता का निर्माण होगा। शीघ्र पूरी की जाने वाली चिन्हित परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन को उच्च प्राथमिकता दी गई है।

अति महत्त्वपूर्ण परियोजनाएँ :

३६,६६३ करोड़ रुपए लागत की ३,७५० किलोमीटर लंबाई वाली ५८ परियोजनाओं को अति महत्त्वपूर्ण चिन्हित किया गया है। यह परियोजनाएं मल्टी-ट्रैकिंग यानी दोहरीकरण/तीसरी लाइन/चौथी लाइन की व्यस्त मार्गो पर हैं इनके पूरे होने पर रेलवे इन मार्गो पर सुरक्षा के साथ तेल गति से अधिक यातायात संचालन में सक्षम होगी। अब तक ११,५८८ करोड़ रुपए लागत की १,०४४ किलोमीटर कुल लंबाई की २६ परियोजनाएं चालू कर दी गई हैं। २७ परियोजनाएं दिसंबर, २०२१ तक पूरी हो जाएंगी जबकि शेष ०२ परियोजनाएं मार्च २०२२ तक पूरी होंगी।

महत्त्वपूर्ण परियोजनाएँ

७५,७३६ करोड़ रुपये की लागत वाली ६,६१३ किलोमीटर कुल लंबाई की ६८ महत्वपूर्ण परियोजनाओं की पहचान की गई है। १,४०८ करोड़ रुपये की लागत वाली १०८ किलोमीटर लंबी ४ परियोजनाएं अब तक पूरी कर ली गई हैं और शेष परियोजनाओं को मार्च २०२४ तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। ६८ महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं की अनुमानित लागत ७५,७३६ करोड़ रुपये थी, जिनमें से २१ मार्च तक ३७,७३४ करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इस वर्ष के लिए परिव्यय १४,४६६ करोड़ रुपये (लगभग १५,००० करोड़) है। अब-तक ४ परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। भारतीय रेल ने कोविड-१६ महामारी के बावजूद वित्त वर्ष २०२०-२१ के दौरान १,६१४ किलोमीटर दोहरीकरण/ तीसरी/ चौथी लाइन चालू की है। महामारी की स्थिति के बावजूद भारतीय रेल ने वित्त वर्ष २०२१-२२ के दौरान अब तक १३३ किलोमीटर दोहरीकरण/तीसरी लाइन चालू की है। उपरोक्त अति महत्त्वपूर्ण और महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं के पूरा होने के बाद भीड़-भाड़ वाले मार्गो पर पर यात्री और माल ढुलाई की सुचारू आवाजाही, ट्रेनों की गति बढ़ाने, नई रेल सेवा शुरू करने, सुरक्षा में वृद्धि के लिए अधिक लाइन क्षमता उपलब्ध होगी क्योंकि इन व्यस्त मार्गो पर रख-रखाव मार्जिन उपलब्ध होगा।

रेल संस्कृति निकेतन भवन का उद्घाटन

रे.स.ब्यू./सूत्र। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा रेलवे कर्मचारियों व उनके परिजनों की सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन हेतु 'रेल संस्कृति निकेतन भवन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

बिलासपुर मंडल द्वारा इस भवन में उपलब्ध सुविधाओं को और बेहतर बनाने तथा सौंदर्यीकरण करने के उद्देश्य से इसे नवीनीकृत किया गया है।

मंडल रेल प्रशासन द्वारा अभिनव पहल करते हुए मंडल रेल प्रबन्धक आलोक सहाय की उपस्थिति में दिनांक २७ नवम्बर २०२० को इंजीनियरिंग विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी ट्रैक मेंटेनर पी.के. भौमिक से रिबन कटवाकर इस भवन का विधिवत शुभारंभ कराया गया।

इस अवसर पर अनेक अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सम्पन्न हुआ पश्चिम मध्य रेलवे में पूर्ण विद्युतीकरण का कार्य

रे.स.ब्यू./सूत्र। रेल मंत्रालय के द्वारा सितम्बर २०१७ में १०० प्रतिशत विद्युतीकरण कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। दिनांक २६ मार्च, २०२१ को कोटा मंडल के श्रीनगर-जलिंदी खंड पर मुख्य सुरक्षा आयुक्त के द्वारा विद्युतीकरण कार्य को स्वीकृति प्रदान कर दी गई। जिसके साथ ही पश्चिम मध्य रेल भारतीय रेल पर पूर्ण विद्युतीकृत होने वाला पहला जोन बन गया है। पश्चिम मध्य रेल पर कुल ३,०१२ रूट किसी विद्युतीकृत हो गया है। विद्युतीकरण से अब पश्चिम मध्य रेल पर डीजल पर होने वाले खर्च पर लगभग १०० करोड़ रुपये की बचत होगी। पश्चिम मध्य रेल पर मार्च २०१७ तक १६६५ रूट किमी इलेक्ट्रिफाइड था, जो कुल रूट का ५३.६० प्रतिशत था। इसके बाद विद्युतीकरण के कार्य में गति आई और वर्ष २०१७-१८ में १७८ रूट किमी,२०१८-१६ में २६६ रूट किमी, वर्ष २०१६-२० में ३५७ रूट किमी व वर्ष २०२०-२१ में ४८६ रूट किमी विद्युतीकरण का कार्य हुआ, जिससे अब कुल ३०१२ रूट किमी पूर्ण विद्युतीकरण हो चुका है। विद्युतीकरण कार्य में २०१७-१८ में २५४.७१ करोड़, २०१८-१६में ४२३.५८ करोड़, २०१६-२० में ५१०.८७ करोड़ व वर्ष २०२०-२१ में ६६५.४७ करोड़ खर्च हुए। वर्ष २०१७-१८ में पिपरिया- जबलपुर खंड (१७८ किमी), वर्ष २०१८-१६ में जबलपुर-कटनी, सगमा-मानिकपुर, कटनी-खत्रबंजारी, विजयपुर-चचौड़ा बीना गंज एवं गुना-बदरवास खंड (२६६ किमी), वर्ष २०१६-२० में सतना-सगमा, सतना-रीवा, खन्नबंजारी-मझौली, पाचोर रोड-चाचौड़ा बीनागंज एवं बदरवास-शिवपुरी खंड (३५७ किमी), वर्ष २०२०-२१ में कटनी-सतना, पाचोर रोड-मक्सी, मझौली -मेहदीया, शिवपुरी- ग्वालियर एवं गुर्ला-चंदेरिया खंड (४८६ किमी) का विद्युतीकरण कार्य बहुत तेजी से हुआ। इसी के साथ-साथ पश्चिम मध्य रेल पर ट्रैक्शन सब स्टेशन भी स्थापित किए गए। जबलपुर मंडल पर १५, भोपाल मंडल पर १४ एवं कोटा मंडल पर ११ सहित कुल ४० ट्रैक्शन सब-स्टेशन हैं। ट्रैक्शन सब-स्टेशन, वे स्टेशन हैं, जहां १३२/२२० केवी पर विद्युत आपूर्ति राज्य सरकार से की जाती है और २५ के.वी. एसी ट्रेक्शन ओ.एच.ई. लाइनों में ट्रांसफार्म और आपूर्ति की जाती है।

विद्युतीकरण की दिशा में तेज कदम

रे.स.ब्यू./सूत्र। उत्तर मध्य रेलवे अपने खंडो के १००% विद्युतीकरण के लिए तीव्र गति से प्रयासरत् है। उत्तर मध्य रेलवे के महत्त्वपूर्ण ट्रंक मार्ग पहले से ही विद्युतीकृत है, और इनके अलावा, शाखा लाइनों पर शेष खंडो को भी तीव्र गति से विद्युतीकृत किया जा रहा है। २७ किलोमीटर लंबे उंचडीह सोमेजा थर्मल पावर प्लांट मार्ग को विद्युतीकृत कर दिया गया है। इस क्रम में ०७ जून, २०२१ को इलेक्ट्रिक पावर के साथ मेजा ऊर्जा निगम पावर लिमिटेड साइडिंग में लोड का प्लेसमेंट किया गया। इससे वैगन टर्नअराउंड में सुधार होगा, कर्षण नहीं बदलना होगा और समय व ऊर्जा की भी बचत होगी। इससे ट्रेनों की औसत गति में सुधार होगा।

अब होगा रेलवे का अपना मोबाइल सिस्टम

रे.स.ब्यू./सूत्र। रेल प्रशासन मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार सेवा शुरू करने जा रहा है। अब ट्रेन रेलकर्मियों के हाथों में वाकी-टाकी जल्द ही आयेगी जिसका संचालन स्वयं रेलवे के अपने मोबाइल सिस्टम से ही होगा। इससे आपसी संवाद बेहतर होगा, जिससे ट्रेनों के संचालन में सुगमता होगी। इससे वीडियो कालिंग भी की जा सकेगी।

रेलवे ट्रेन संचालन से जुड़े कर्मचारियों को आपस में संपर्क एवं बातचीत करने के लिए वाकी-टाकी उपलब्ध कराता है। वाकी-टाकी सिस्टम में केवल ट्रेन संचालन से जुड़े कर्मचारी ही वार्ता कर सकते हैं। इसमें कोई बाहरी व्यक्ति हस्तक्षेप नहीं कर सकता। वाकी-टाकी में जब कोई एक कर्मचारी बोलता है तो कोई अन्य कर्मचारी नहीं बोल सकता है। पहले कर्मचारी का बोलना बंद होने पर ही दूसरा कर्मचारी जवाब देता है। रेलवे को वाकी-टाकी चलाने के लिए संचार मंत्रालय से फ्रीक्वेंसी बैंड लेना पड़ता है और उसका सालाना किराया का भुगतान करने पड़ता है।

बाहरी व्यक्ति हस्तक्षेप नहीं कर सकेगाः रेलवे ने वाकी टाकी को बंद कर ट्रेन संचालन से जुड़े कर्मियों को आधुनिक संचार सिस्टम देने की योजना बनाई है। इसके लिए लांग टर्म इवोल्यूशन आधारित मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार सेवा शुरू करने जा रहा है। यह मोबाइल की भांति ही होगा। इस सिस्टम में भी बाहरी व्यक्ति हस्तक्षेप नहीं कर पाएगा। एक साथ कई कर्मचारी आपस में वार्ता कर सकते हैं।

कुछ और बातेः वाकी-टाकी के स्थान पर आएगा मोबाइल ट्रेन रेडियो सिस्टम, योजना पर २५ हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान, वाकी-टाकीः केवल वार्ता करने की सुविधा, एक बार में एक ही कर्मचारी बोल सकता है। अन्य कर्मचारी भी दूसरे कर्मचारी की आवाज सुन सकते हैं। मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार सेवाः काल करने की सुविधा, वाकी टाकी से वजन में हल्का, वीडियो कालिंग व वीडियो कांफ्रेसिंग की होगी सुविधा, इस सिस्टम से डाटा भेजने की भी होगी सुविधा।

स्वतंत्रता दिवस पर जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को किया सम्मानित

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने ७५वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में झण्डारोहण किया तथा लाल पद्यमधर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके उपरांत उन्होंने संगम सभागार में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थिति लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रयाग की पुण्य पवित्र धरा शहीदों के रक्त से पवित्र है, जहां पर चन्द्रशेखर आजाद ने कहा था कि हम आजाद है और आजाद ही रहेंगे। स्वतंत्रता संग्राम में प्रयागराज की भूमिका भी अहम रही है। उन्होंने फांसी इमली तथा अन्य अमर शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर सभी अपर जिलाधिकारी सहित कर्मचारीगणों के अलावा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजन उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर जन शिक्षण संस्थान कैशाम्बी में ध्वजारोहण करते रेल समाचार ब्यूरो के प्रधान सम्पादक एवं रेल सलाहकार समिति रेलवे बोर्ड के सदस्य ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव साथ में है। संस्थान के निदेशक संजय सिंह एवं संस्थापक केशव चन्द्र सिन्हा।

कोर में बही काव्य रस धार

साभार : केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन में राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। दिनांक ०६.०८.२०२१ को समारोह की अध्यक्षता महाप्रबंधक/कोर, यशपाल सिह ने की। मुख्य राजभाषा अधिकारी /कोर, सुरेश कुमार ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए आशा व्यक्तय की कि आज जो काव्यु की रसधार बहेगी उससे कोर में हिंदी प्रयोग-प्रसार की दिशा में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होगा और हम सभी अपने सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए संकल्पबद्ध होंगे। समारोह में कोर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, अरुण कुमार, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, वी.के.गर्ग, प्रमुख मुख्य इंजीनियर, आशुतोष, प्रमुख मुख्य/ सामग्री प्रबंधक, हरीश गुप्ता, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, प्रमिला सिंह, सहित संगठन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह का संचालन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी सुनीला यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन आर.के.शर्मा, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी ने किया।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१.उच्चतम अधिकारी- १५०० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- १००० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-७०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-५००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
रेल समाचार ब्यूरो
कैम्प कार्यालयः ८४३६, आर्य नगर, पहाड़गंज दिल्ली - ५५

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. ३२६/२५५, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं ५०२ पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-२११००३ से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.५१०६७-६० पोस्ट ए.डी-८ मो.६७६३६५६०४४, ६६३५२२४८६७
फोन नं.-०५३२-२४१८०४०